धीरे धीरे अँखियाँ माँ खोल रही है

धीरे धीरे अँखियाँ माँ खोल रही है,
लगता है मईया कुछ बोल रही है,

दुनिया के नज़ारे तो बेजान लगते ,
सूरज चन्दा कौड़ी के समान लगते,
आत्मा में अमृत घोल रही है ,
लगता है मईया कुछ बोल रही है,

आएगी जरूर मईया आज सामने,
अपने भगतों का देखो हाथ थामने ,
मिलने का मौक़ा ये टटोल रही है ,
लगता है मईया कुछ बोल रही है ,

लागे ना नजर मुझे हो रही फिकर ,
हीरे और मोती से उतार दूँ नजर ,
क्या करूँ मेरा तो ऐसा जोर नहीं है,
लगता है मईया कुछ बोल रही है ,

बनवारी ऐसी तकदीर चाहिए ,
आत्मा में माँ की तस्वीर चाहिए ,
ऐसा ये असर दिल पे छोड़ रही है ,
लगता है मईया कुछ बोल रही है ,

भजन गायक - माधुरी मधुकर

Source:
https://www.bharattemples.com/dheere-dheere-ankhiyan-maa-khol-rahi-hai-lagta-hai-maiyan-kuch-bol-rahi-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw